Postal Regd. No. MCN/298/2016-2018 RNI No. MAHMUL/2015/65928

गऊ वंश पर आधारित प्रथम राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती भाषा में।

www.gaubharatbharati.com

संपादक - संजय शर्मा

गऊ भारत भारती

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पालघर, नाशिक, पुणे, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात में वितरित

मूल्य २/- रुपये

Email: gaubharatbharti@gmail.com ● वर्ष- 7 ● अंक- 27 ● मुंबई, रविवार 19 दिसंबर 2021 से 25 दिसंबर 2021 ● पृष्ठ- 4

Deepak Farsan Mart Kurla

दीपक फरसाण मार्ट कुर्ला

595, Pipe Road, Opposite Deepak Farsan, Kurla (W), Kurla West, Kurla, Mumbai, Maharashtra 400070 Phone: 098195 52117

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय पशु घोषित हो गाय, गौरक्षा हिंदुओं का मौलिक अधिकार बनाए-किरोड़ी

नई दिल्ली- राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गौ रक्षा की पुरजोर वकालत करते हुए कहा कि गाय भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। भारतीय संस्कृति में गाय को पूजा जाता है। गो, गीता, गंगा और गायत्री सनातन संस्कृति की। समय की मांग है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। साथ ही गौ रक्षा को हिंदुओं का मौलिक अधिकार बनाने की भी मांग रखी।

राज्यसभा में विशेष उल्लेख के दौरान मीणा ने कहा कि जब किसी देश की संस्कृति और उसकी आस्था को ठेस पहुंचती है तो देश कमजोर होता है। राज्यों में गौ हत्या प्रतिबंधित है। सनातन धर्म में गाय को माता मानकर पूजा जाता है। गाय हिंदू संस्कृति का मजबूत प्रतीक एवं आस्था का केंद्र है। इसलिए जब कोई भी गौ हत्या कर देता है तो सामाजिक सौहार्द बिगड़ जाता है। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा किसी धर्म से जुड़ा विषय नहीं है। मुस्लिम शासकों ने भी गाय को भारतीय भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना है। बाबर, हुमांयू और अकबर सहित कम से कम ५ मुस्लिम शासकों ने गौ हत्या पर प्रतिबंध लगाया था। किरोड़ी ने मांग रखी कि सरकार गौ हत्या को रोके जाने की दृष्टि से प्रभावी कानून लाए और गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए।

ओमिक्रॉन की वजह से आने वाली है कोरोना की तीसरी लहर, फरवरी में पीक

देश में इस समय हर दिन कोरोना के नए केस ८ हजार से कम आ रहे हैं, लेकिन जल्द ही ये आंकड़े बढ़ सकते हैं। नेशनल कोविड-१९ सुपरमॉडल कमिटी ने का आकलन है कि अगले साल की शुरुआत में ओमिक्रॉन की वजह से कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर आ सकती है। फरवरी में यह पीक पर होगा। इस कमिटी के प्रमुख विद्यासागर ने कहा कि भारत में ओमिक्रॉन तीसरी लहर लाएगा, लेकिन यह दूसरी लहर से हल्की

होगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी हैदराबाद के प्रफेसर विद्यासागर ने कहा कि इस बात की संभावना कम है कि भारत में दूसरी लहर के मुकाबले अधिक दैनिक केस आएंगे। उन्होंने कहा, ''इस बात की बेहद कम संभावना है कि तीसरी लहर में दूसरी लहर से अधिक दैनिक केस आएंगे। याद रखिए कि भारत सरकार ने आम भारतीयों के टीकाकरण की शुरुआत १ मई से की थी, जिस समय डेल्टा वेरिएंट आया ही था। इसलिए डेल्टा वेरिएंट ने उस आबादी पर हमला किया, जिसमें फ्रंटलाइन वर्कर्स को छोड़कर सभी वैक्सीन से वंचित थे।'' विद्यासागर ने आगे कहा कि सीरो सर्वे के मुताबिक, बहुत कम लोग ऐसे बचे हैं जो डेल्टा वायरस के संपर्क में नहीं आए। उन्होंने कहा, ''अब हमारा सीरो-प्रीवलेंस ७५ से ८० फीसदी है, ८५ फीसदी व्यस्कों को टीकों की पहली खुराक मिल चुकी है, ५५ फीसदी को दोनों टीके लग चुके हैं। तो तीसरी लहर में दैनिक मामले दूसरी लहर के समान नहीं दिखेंगे।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने व परशुराम जयंती पर डाक टिकट जारी करने की मांग

नई दिल्ली- राज्यसभा में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य ने गौ-हत्या पर रोक लगाने के लिए केंद्रीय कानून बनाए जाने की मांग की। भाजपा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने शून्यकाल में गौहत्या पर रोक के लिए केंद्रीय कानून बनाने के साथ ही गाय को

राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की। उन्होंने विशेष उल्लेख के जरिये यह मांग करते हुए कहा कि, सनातन और हिंदू धर्म में गाय की पूजा की जाती है। भाजपा सदस्य ने आगे कहा कि, गाय भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उसे माता का दर्जा प्राप्त है। बाबर, हुमायूं और अकबर जैसे मुगलों ने गौ हत्या पर रोक लगाई थी। मैं सरकार से मांग करता हूं गौवध रोकने के लिए प्रभावी कानून लाया जाए।

इससे पहले जीरो आवर में भाजपा के हरनाथ सिंह यादव ने देश में अवैध तरीके से हो रहे धर्म परिवर्तन के बढ़ते दर पर चिंता जताई और इसपर रोक लगाने के लिए एंटी कंवर्जन ला की मांग की ताकि साामाजिक सौहार्द्र और राष्ट्रीय सुरक्षा बरकरार रहे। वहीं मिजोरम में म्यांमार के शरणाथिर्यों का मुद्दा उठाते हुए के वनलावेना ने केंद्र सरकार से मदद की मांग की।

उधर भाजपा के सीपी जोशी ने लोकसभा में शून्यकाल में सरकार से भगवान परशुराम पर डाक टिकट जारी करने की मांग की। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से सांसद जोशी ने कहा कि सरकार और संचार मंत्रालय से अनुरोध है कि आगामी अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम पर डाक टिकट जारी की जाए।

गोआश्रय केंद्र के कर्मचारियों पर मनमानी का आरोप

बैरिया (बलिया) : गोआश्रय केंद्र भगवानपुर मुरली छपरा के कर्मचारियों पर मनमानी का आरोप लगाते हुए किसानों ने शनिवार को तहसील पर प्रदर्शन किया। प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर उपजिलाधिकारी बैरिया को पत्रक सौंपा। दर्जनों किसानों की शिकायत है कि कर्मचारी गोवंशों को मिलने वाला चारा घर ले जा रहे हैं। पशुओं को खोलकर खेतों में फसल चरवा दे रहे हैं। उपजिलाधिकारी अभय कुमार सिंह ने पशु चिकित्साधिकारी से बात की। सोमवार को गोआश्रय केंद्र पर सभी संबंधित पक्षों को तलब किया है।

यूपी+योगी बहुत है उपयोगी, गंगा एक्सप्रेस वे का शिलान्यास कर मोदी ने दिया नया नारा

गंगा एक्सप्रेस वे को उत्तरप्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बताया जा रहा है. इसकी लंबाई ५९४ किलोमीटर होगी. गंगा एक्सप्रेस वे मेरठ से प्रयागराज तक यूपी के १२ जिलों से होकर गुजरेगा. ये एक्सप्रेस-वे यूपी के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा. यह एक्सप्रेसवे मेरठ-बुलन्दशहर मार्ग पर मेरठ के बिजौली ग्राम से शुरू होकर प्रयागराज बाइपास पर जुडापुर दांदू ग्राम के पास समाप्त होगा.प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज माफिया पर बुलडोजर चलता है, बुलडोजर तो गैर-कानूनी इमारत पर चलता है, लेकिन दर्द उसे पालने-पोसने वाले को होता है.

इसीलिए आज यूपी की जनता कह रही है- 'UP+YOGI' बहुत है UPYOGI. उन्होंने कहा कि मेरठ में एक बाजार है सोतीगंज देश मे कहीं गाड़ी चोरी हो तो वहीं कटती थी, योगी जी ने उसपर भी बुलडोजर चलवा दिया. उन्होंने कहा कि जिनको माफिया का साथ पसंद है वो उनकी भाषा बोलेंगे लेकिन हम तो देश की भाषा बोलेंगे. सीएम ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा पर आए दिन सवाल उठते रहते थे, उनका स्कूल कॉलेज जाना तक मुश्किल कर दिया था. कब कहां दंगा और आगजनी हो जाये कोई नहीं कह सकता था. लेकिन बीते साढ़े ४ साल में योगी जी की सरकार ने स्थिति को सुधारने के लिए बहुत परिश्रम किया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे यहां कुछ राजनीतिक दल ऐसे रहे हैं जिन्हें देश की विरासत से भी दिक्कत है और देश के विकास से भी. देश की विरासत से दिक्कत क्योंकि इन्हें अपने वोटबैंक की चिंता ज्यादा सताती है. देश के विकास से दिक्कत क्योंकि गरीब की, सामान्य मानवी की इन पर निर्भरता दिनों-दिन कम हो रही है. इन लोगों को गंगा जी के सफाई अभियान से दिक्कत है. यही लोग हैं जो आतंक के आकाओं के खिलाफ सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाते हैं. यही लोग हैं जो भारतीय वैज्ञानिकों की बनाई मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन को कठघरे में खड़ा कर देते हैं. इन लोगों को काशी में बाबा विश्वनाथ का भव्य धाम बनने से दिक्कत है. इन लोगों को अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनने से दिक्कत है.

योगी सरकार का रु. ८४७९ करोड़ का अनुपूरक बजट, जानिए मुख्य बातें

यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन गुरुवार (१६ दिसंबर २०२१) को योगी सरकार ने सदन में ४८७९.५३ करोड़ रुपए का अपना दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया। इस बजट में योगी सरकार ने किसानों, वृद्धों, दिव्यांगों, नेत्रहीनों को खास तोहफा दिया है। इसमें योगी सरकार ने असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को भत्ता देने की व्यवस्था करते हुए ४,००० करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके साथ ही सरकार ने प्रदेश के लोगों के लिए २४ घंटे बिजली सुनिश्चित किया है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि इसके लिए पावर कॉरपोरेशन को १० अरब (१,००० करोड़ रुपए) आवंटित किए गए हैं। सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष २०२१-२२ का दूसरा अनुपूरक बजट और वर्ष २०२२-२३ के पहले चार महीने (अप्रैल से जुलाई) के लिए १,६८,९०३.२३ करोड़ रुपये का लेखानुदान प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री

सुरेश खन्ना ने कहा कि २०२२-२०२३ में ५,४४,८३६.५६ करोड़ रुपए की प्राप्तियाँ होंगी, जिनमें ४,५३,०९७.५६ करोड़ रुपए राजस्व और ९१,७३९ करोड़ रुपए की पूँजी लेखा प्राप्ती होंगी। राजस्व प्राप्ति में ४,५३,०९७.५६ करोड़ रुपए की कर राजस्व प्राप्ति हैं। वहीं, ८९,१७४ करोड़ रुपए की लोक ऋणों से प्राप्तियाँ और २,५६५ करोड़ रुपए की ऋणों और अग्रिमों की वसूली से होने वाली प्राप्तियाँ हैं।

अनुपूरक बजट में २४ घंटे बिजली की आपूर्ति के लिए पावर कॉरपोरेशन को १० अरब रुपए आवंटित करने के साथ-साथ हर घर बिजली योजना के लिए अलग से १८५ करोड़ रुपए आवंटित की गई हैं। खेल विभाग को १० करोड़ रुपए, काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए १० करोड़ रुपए, किसान और वृद्धावस्था पेंशन के लिए ६७० करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। वहीं, सूचना विभाग के लिए १५० करोड़ रुपए और यूपी गौरव सम्मान के लिए १० करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

काशी में आयोजित हुआ पीएम संग किसानों का वर्चुअल संवाद, जैविक-गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर हुई चर्चा

वाराणसी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने १६ दिसंबर को जैविक और गौ आधारित प्राकृतिक खेती (जीरो बजट खेती) पर किसानों से वर्चुअल संवाद किया। आत्म निर्भर भारत अभियान' सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन के अंतर्गत किसानों की आय दोगुनी करने हेतु, पीएम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के लाइव स्ट्रीम को गुरुवार को चौकाघाट स्थित गिरिजा देवी संकुल में उपस्थित किसानों ने देखा और सुना।

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्राकृतिक खेती के फायदों से अवगत कराया और बताया कि, इसका सबसे अधिक लाभ छोटे किसानों को होगा। उन्होंने आगे कहा कि, प्राकृतिक खेती से देश के ८० प्रतिशत किसानों

को फायदा होगा। छोटे किसान, जिनके पास २ हेक्टेयर से कम भूमि है, उनका अधिकांश खर्च, केमिकल फर्टिलाइजर पर होता है। अगर वो प्राकृतिक खेती की तरफ मुड़ेंगे तो उनकी स्थिति और भी बेहतर होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि, कृषि से जुड़े हमारे प्राचीन ज्ञान को हमें न सिर्फ फिर से सीखने की जरूरत है, बल्कि उसे आधुनिक समय के हिसाब से तराशने की भी जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि, केमिकल और फर्टिलाइजर ने हरित क्रांति में अहम रोल निभाया है लेकिन इसके विकल्पों पर भी हमे काम करते रहने की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि, इस कान्क्लेव के दौरान हजारों करोड़ रुपये के समझौते पर भी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि, खेती के अलग-अलग आयाम हों, फूड प्रोसेसिंग हो या प्राकृतिक खेती, ये विषय २१वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प बदलने में बहुत मदद करेंगे।

OMICRON ढाने लगा कहर... ब्रिटेन में महालहर, अमेरिका से भारत तक खतरे की घंटी

कोरोना संक्रमण का खतरा दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है. जिस रफ्ताार से केस मिल रहे हैं, उससे चिंता भी बढ़ती जा रही हैं. कोविड-१९ का ओमिक्रॉन वैरिएंट भारत में अब तक ११ राज्यों में फैल चुका है, इसके देश में ८७ केस सामने आ चुके हैं. वहीं विदेश की बात करें तो बीते दिन यानी गुरुवार को ब्रिटेन में कोरोना ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए. यूके में एक दिन में ८८३७६ नए केस मिले हैं. जबकि कोरोना संक्रमण ने एक दिन में १४६ लोगों की जान ले ली. यानी खतरा तेजी से बढ़ रहा है. भारत के ११ राज्य जिसमें महाराष्ट्र, राजस्थान, दिल्ली, केरल, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, पंजाब, तमिलनाडु शामिल हैं वे ओमिक्रॉन वैरिएंट की

चपेट में आ चुके हैं. पिछली साल २० दिसंबर को कोरोना के डेल्टा वेरिएंट की पहचान हुई थी. कुछ महीनों बाद यानी अप्रैल २०२१ में भारत में डेल्टा के ही चलते कोरोना की दूसरी लहर आ गई थी. अब इस साल दिसंबर के महीने में ही ओमिक्रॉन ने खतरा बनकर सामने आया है. कोरोना के नए वैरिएंट को दुनिया के देशों ने घातक मानना शुरू कर दिया है. खासतौर से ब्रिटेन और अमेरिका में ओमिक्रॉन के नाम से भी लोग डरने लगे हैं. क्योकि ब्रिटेन में ओमिक्रॉन ने रिकॉर्ड तोड़ दिया है. अमेरिका में भी हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं. यहां तेजी से केस दोगुने हो रहे हैं. मसलन, जिस संक्रमण से ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देश डर रहे हैं, तो भारत के लोगों को तो बेहद सावधानी रहने की जरूरत है. कोरोना वायरस का ये सुपर स्प्रेडर वैरिएंट जितनी तेज़ी से देश में फैल रहा है, वह चिंताजनक है. ेष्ठ तो शुरू में ही ओमिक्रॉन को वैरिएंट ऑफ कंसर्न यानी चिंता वाला वैरिएंट बता चुका है. अभी तक के आंकड़ों के आधार पर महाराष्ट्र ओमिक्रॉन के ३२ मामलों के साथ नंबर वन पर है.

'किसी भी हिंदू को धर्म से विमुख नहीं होने दूँगा, जो छोड़कर गए हैं उनकी घर वापसी कराएँगे': 'हिन्दू एकता महाकुंभ' में बोले मोहन भागवत

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में चल रहे तीन दिवसीय 'हिन्दू एकता महाकुंभ' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने हिन्दू धर्म छोड़ने वालों की घर वापसी का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'मैं प्रतिज्ञा लेता हूँ कि सर्व समाज में अपने पवित्र हिंदू धर्म, संस्कृति, समाज के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए आजीवन कार्य करूँगा। किसी भी हिंदू भाई को धर्म से विमुख नहीं होने दूँगा, जो हिंदू धर्म छोड़कर गए हैं उनकी घर वापसी का काम कराएँगे। उन्हें अपने परिवार का फिर से हिस्सा बनाएँगे। हिंदू बहनों की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। जाति, वर्ग और भाषा के भेदभाव से ऊपर उठकर हिंदू समाज को सशक्त बनाने के लिए शक्ति का प्रयोग करेंगे।'

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने आगे कहा, 'यह बात तो सारी दुनिया

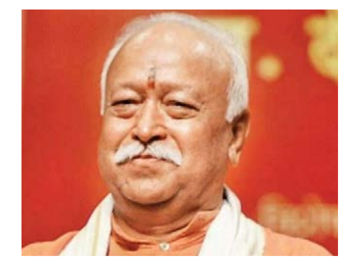

मानती है और अपना भी अनुभव है। एक तरह से यह शाश्वत सत्य भी है। मजबूरी में लोग एक साथ हो जाते हैं, लेकिन मजबूरी समाप्त होते ही एकता भी समाप्त हो जाती है।'

संपादकीय...
संजय शर्मा

साभ्यतिक सरोकार

काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के पुनरुद्धार और विस्तार से न सिर्फ वहां जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए काफी सुविधा हो गई है, बल्कि संकीर्ण दायरों में सिकुड़ते गए एक आस्था और सभ्यता के प्रतीक को भी गरिमा प्राप्त हुई है। इस परिसर के पहले चरण का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने बड़े आलीशान तरीके से कर दिया। हालांकि भाजपा का अयोध्या, मथुरा और काशी के तीन धर्म-स्थलों के पुनरुद्धार का वादा बहुत पुराना रहा है,

मगर काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के विस्तार और पुनरुद्धार को केवल राजनीतिक दृष्टि से देखने की जरूरत नहीं है।

यह अलग बात है कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इसलिए इसी दृष्टि से इस आयोजन की व्याख्या अधिक हो रही है। मगर इस हकीकत से कोई इनकार नहीं कर सकता कि काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास जिस तरह धीरे-धीरे इतने मकानों और दुकानों ने जगह घेर ली थी, उन गलियों से गुजरना अकेले आदमी के लिए भी मुश्किल काम हुआ करता था। बेशक काशी अपनी गलियों के लिए विख्यात है और कई लोगों को उसी में उसकी सुंदरता नजर आती है, मगर सुरक्षा की दृष्टि से वहां की गलियां उचित नहीं कही जा सकती थीं। एक बार उस क्षेत्र में बम विस्फोट हुआ था, तब से सुरक्षा के लिहाज से काशी विश्वनाथ मंदिर को जाने वाली गलियों को खतरनाक माना जाने लगा था। अच्छी बात है कि केंद्र सरकार की पहल पर काशी विश्वनाथ मंदिर के आसपास की दुकानों और मकानों को खरीद कर उन्हें हटा दिया गया। इस तरह उस परिसर का विस्तार हो सका। अब अगर कोई गंगा की तरफ से जाना चाहे या शहर की तरफ से, उसे किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। पहले त्योहार आदि के समय दर्शन के लिए हजारों लोगों को घंटों कतार में खड़े रहना पड़ता था। सामान्य दिनों में भी मंदिर तक पहुंचना आसान काम नहीं था। काशी विश्वनाथ मंदिर चूंकि आस्था का बड़ा केंद्र है, इसलिए सामान्य दिनों में भी वहां श्रद्धालुओं की भीड़ लगी ही रहती थी। सुरक्षा जांच आदि के चलते लोगों को परिसर तक पहुंचने में काफी समय लग जाता था। अब वह समस्या दूर हो गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर आस्था का केंद्र होने के अलावा स्थापत्य की दृष्टि से भी एक बेजोड़ नमूना है। इसलिए वहां विदेशी सैलानी भी लगातार आते रहते हैं। सरकार का यह भी कर्तव्य है कि वह अपने देश की सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित, संरक्षित करने और उनके विस्तार पर ध्यान दे। उनसे अपने और दूसरे देशों के कला-संस्कृति के मर्मज्ञों को हमारे साभ्यतिक विकास का अध्ययन करने में काफी मदद मिलती है। इसलिए दुनिया के तमाम विकसित और अपनी सभ्यता-संस्कृति के प्रति संवेदनशील देश अपनी धरोहरों के संरक्षण और उन तक पर्यटकों की पहुंच सुगम बनाने संबंधी नीतियों पर गंभीरता से ध्यान देते हैं। जबकि इस मामले में हमारी सरकारें अक्सर उदासीन नजर आती रही हैं। इसी का नतीजा है कि बहुत सारी सांस्कृतिक धरोहरें अपने दिन गिन रही हैं। भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग पर भी अक्सर आरोप लगते रहते हैं कि वह अपनी विरासत संभाल पाने में सक्षम साबित नहीं हो पाता। इसी लिहाज से काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के विस्तार को देखे जाने की जरूरत है।

गैंगरेप का आरोपी लेखपाल निलंबित; पीड़िता की प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की हुई थी मौत

कानपुर- कानपुर में प्रसव के दौरान गैंगरेप पीड़िता और नवजात की मौत के मामले में आरोपी लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। आरोपी लेखपाल की गिरफ्तारी के बाद विभागीय कार्रवाई की गई है। लेखपाल पर एफआईआर दर्ज होने के बाद भी पुलिस उसे बचाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन जच्च-बच्चा की मौत होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। आलाधिकारियों की फटकार के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। गैंगरेप मामले में पुलिस ने लेखपाल समेत चार आरोपियों पर एफआईआर दर्ज की थी। ककवन थाना क्षेत्र के एक गांव रहने में रहने वाली १५ वर्षीय किशोरी की मां की मौत हो चुकी है। परिवार गांव के बाहर झोपड़ी बनाकर रहता है। परिवार में पिता और भाई हैं। दोनों ही मजदूरी कर करके जीवनयापन करते हैं। पीड़िता ने मौत से पहले अपने बयान दर्ज कराए थे। जिसमें उसने कहा था कि लेखपाल रंजीत, करन अपने दो दोस्तों के साथ घर आते थे। शराब पीने के बाद गैंगरेप करते थे। लेखपाल कहता था कि प्रेग्नेंट होने पर अबॉर्शन करा देंगे। अक्टूबर महीने में पीड़िता के परिजनों

को गर्भवती होने की जानकारी हुई। इसके बाद परिवार ने ११ अक्टूबर को आरोपियों के खिलाफ ककवन थाने में गैंगरेप, पॉक्सो एक्ट, एससीएसटी और धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया था, लेकिन पुलिस बीते दो महीनों में आरोपी लेखपाल को अरेस्ट नहीं कर पाई। लेखपाल बिल्हौर तहसील में नौकरी करता रहा।

पोस्टमॉर्टम के दौरान डॉक्टरों ने मृतका और बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने के लिए खून के नमूने लिए थे। डीएनए टेस्ट के सैंपलों को आरोपियों के डीएनए से मिलान कराया जाएगा। इसके लिए ककवन थाना प्रभारी कौशलेंद्र प्रताप सिंह ने आरोपी के खून के नमूने लेने के लिए माती कोर्ट में अर्जी दी है। गैंगरेप मामले में ककवन पुलिस सवालों के घेरे में है। पुलिस ने लेखपाल रंजीत, करन समेत चार आरोपियों पर ११ अक्टूबर को केस दर्ज किया था। जिसमें दो आरोपी अज्ञात हैं। इस मामले में आईजी ने एक हफ्तो पहले कार्रवाई करने निर्देश दिए थे। जिस पर पुलिस ने करन को जेल भेज दिया था, लेकिन लेखपाल को अरेस्ट नहीं किया था। इस मामले के विवेचक लेखपाल को क्लीनचिट देने की तैयारी में जुटे थे।

'२०१७ से पहले की भतिर्यों में चलता था पैसा, ४० से ६० लाख देकर भरे गए लेखपाल एसडीएम के पद'-योगी का बड़ा आरोप

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार शाम राजधानी लखनऊ स्थित साइंस कन्वेंशन सेंटर में विभिन्न पदों पर चयनित अभ्याथिर्यों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के दौरान पिछली सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। सीएम योगी ने दावा किया कि वर्ष २०१४-१५ में ८६ एसडीएम की भर्ती निकली गई थीं और इस भर्ती में ४२ से लेकर ६० लाख रूपये लेकर भतिर्यां की गयीं। उन्होंने कहा

कि इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच चल रही है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष २०११-१२, १३-१४ और १५ में पुलिस, लेखपाल, एसडीएम के पदों की भतिर्यां लोकसेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग, उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग में पैसे लेकर भतिर्यां की जाती थीं। सीएम योगी ने कहा, मगर यह सब वर्ष २०१७ से पहले हुआ। पिछले साढ़ चार साल के दौरान सारी भतिर्यों की चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी व निष्पक्ष रहीं है। इसके लिए कई सख्त कदम उठाने पड़े, कई लोगों को नाराज करना पड़ा। संदिग्ध लोगों को जेल भेजना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश है जहां भय का माहौल था, अराजकता थी, दंगे होते थे। कोई भर्ती प्रक्रिया शुरू होती थी तो महाभारत के सारे रिश्ते निकल आते थे। एक ऐसा समय भी आया कि उत्तर प्रदेश की नौकरशाही को लोग देखना पसंद नहीं करते थे। लेकिन आज उत्तर प्रदेश ने ऐसी धारणाओं को बदल दिया है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केवल सरकार बदल देने से काम नहीं चलने वाला बल्कि पूरी सरकारी मशीनरी में अच्छे ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ लोगों का जब तक चयन नहीं होगा तब तक सुशासन सम्भव नहीं।

अब कोटे की दुकानों पर भी बनेंगे आयुष्मान कार्ड, ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की है योजना

गोरखपुर- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर में अंत्योदय कार्ड धारकों को अपना कार्ड बनवाने के लिए अब कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। अब उनके घर के पास की कोटे की दुकान पर ही उनका आयुष्मान कार्ड बन सकेगा। आयुष्मान कार्ड बनवाने के कार्य में तेजी लाने के लिए जिले के एनेक्सी भवन सभागार में जिलाधिकारी विजय किरण आनंद और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशुतोष कुमार की मौजूदगी कमियों को लेकर

विस्तृत चर्चा हुई। सीएमओ ने बताया कि जिले के १.२८ लाख अन्तयोदय कार्डधारकों के करीब ४.८३ लाख सदस्यों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा गया है। वहीं अब जिले के करीब २५० विलेज लेवल इंटरप्रेन्योर (वीएलई) को कोटे की दुकान पर बैठ कर आयुष्मान कार्ड बनाना होगा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि एक वीएलई तीन से चार अलग-अलग गांवों को देखता है। अब नए आदेश के बाद ज्यादा से ज्यादा लोगों का अन्त्योदय कार्ड के लिए पंजीकरण हो सकेगा और धारकों को आयुष्मान भारत योजना का सीधा लाभ मिल सकेगा। नोडल अधिकारी डॉ. अनिल कुमार सिंह ने बताया कि करीब १.२८ लाख अन्त्योदय परिवार योजना से जुड़े हैं जिनके ४.८३ लाख सदस्यों के सापेक्ष ७८,३२५ आयुष्मान कार्ड बने हैं। ज्यादा से ज्यादा लाभाथिर्यों के पास कार्ड उपलब्ध हो सके, इसमें वीएलई की अहम भूमिका होती है।

बीजेपी शासित राज्यों के सीएम के दौरे के बाद अब बीजेपी मेयर्स का अयोध्या दौरा

अयोध्या- काशी विश्वनाथ कॉरिडोर लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचे कई राज्यों के करीब ६० बीजेपी मेयर अब १८ दिसंबर को अयोध्या पहुंच कर राम लला और हनुमानगढ़ी के दर्शन

करने के बाद सरयू आरती में शामिल होंगे। इसके पहले बीजेपी शासित राज्यों के सीएम और डेप्युटी सीएम का दल राम लला का दर्शन करने बुधवार को आया था। अयोध्या नगर निगम के मेयर ऋषिकेश उपाध्याय ने बताया कि सभी मेयर काशी के कार्यक्रम में आए हैं। जहां से अब अयोध्या दर्शन के लिए आ रहे हैं। मेयर्स का दल १८ दिसंबर को करीब १२ बजे अयोध्या पहुंच जाएगा। उनका यहां भव्य स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी प्रांतों के बीजेपी मेयर यहां आ रहे हैं, जो राम लला और हनुमानगढी में हनुमान जी के आगे मत्था टेक कर आशीर्वाद लेंगे। उसके बाद शाम मां सरयू की आरती और पूजन करेंगे।

उन्होंने बताया कि मेयर का दल उसी दिन शाम लौट जाएगा। मेयर के अयोध्या दौरे को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। उपाध्याय के मुताबिक, सीएम और मेयर के दौरों के पीछे धार्मिक भावनाएं जुड़ी हैं। इसे राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए।

यूपी में ऑक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं? बीजेपी नेताओं की वो चिट्ठियां जो सच्चाई कर रही थीं बयां

लखनऊ- 'यूपी में ऑक्सीजन की कमी से एक भी मौत नहीं हुई है...' विधान परिषद में राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप का यह लिखित जवाब सवालिया निशाने पर है। स्वास्थ्य मंत्री का यह बयान अपने ही सहयोगी मंत्री, बीजेपी विधायक और सांसद की चिट्ठियों को झूठा साबित कर रहा है जिन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान राज्य में चिकित्सा अव्यवस्था उजागर की थी। कानून मंत्री बृजेश पाठक से लेकर मोहनलालगंज से बीजेपी सांसद कौशल किशोर, मेरठ के सांसद राजेंद्र अग्रवाल, औराई से विधायक दीनानाथ भास्कर और राज्यमंत्री सुरेश भराला ने तब योगी सरकार को चिट्ठी लिखकर राज्य में ऑक्सीजन की कमी को लेकर सवाल किए थे। उन सभी चिट्ठियों को एक बार दोबारा पढ़ने की बारी है-

कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने

अप्रैल महीने में लखनऊ के हालात को लेकर चिट्ठी लिखकर अधिकारियों की लापरवाही उजागर की थी। कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) और प्रमुख सचिव (चिकित्सा शिक्षा) को चिट्ठी लिखकर कहा था कि स्वास्थ्य सेवाओं की हालात काफी चिंताजनक है।

ब्रजेश पाठक ने समस्याएं गिनाते हुए पत्र में लिखा था कि लखनऊ के अस्पतालों में बेड नहीं है। ऐंबुलेंस समय पर नहीं मिल रही है और न ही मरीज को इलाज मिल पा रहा है। ब्रजेश पाठक ने चिट्ठी में इतिहासविद योगेश प्रवीण को भी ऐबुंलेंस न मिलने का जिक्र करते हुए लिखा था कि उन्होंने खुद सीएमओ से बात कर ऐंबुलेंस मुहैया करवाने का अनुरोध किया लेकिन घंटों तक उन्हें ऐंबुलेंस नहीं मिली। समय से चिकित्सा सुविधा न मिल पाने के कारण उनका निधन हो गया। यूपी के कानून मंत्री की यह चिट्ठी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी।

कृषि में गोमूत्र और गोबर का महत्व

भारत में और भारत के अतिरिक्त अन्य देशों में गाय का महत्व मुख्य रूप से दूध और दूध से बने अन्य व्यंजनों के लिए किया जाता है। किन्तु, गाय के मूत्र और गोबर का महत्व कुछ कम नहीं है। हम सभी कृषि में खाद के उपयोग और महत्व को भली-भांति परिचित हैं। अच्छी फसल के लिए केंचुए की खाद, सड़ी-गली पत्तियों की खाद,रासायनिक खाद आदि इस्तेमाल किए जाते हैं।इसके अतिरिक्त गोमूत्र और गोबर उत्तम उर्वरक के रूप में प्रयोग किए जाते हैं। प्राकृतिक उर्वरक गोमूत्र और गोबर सर्वश्रेष्ठ उर्वरक हैं, क्योंकि रासायनिक उर्वरक जहाँ एक ओर फसलोत्पादन में वृद्धि करते हैं, वहीं खाद्य पदार्थों में और भूमि में पहुँच कर उन्हें विषाक्त भी कर देते हैं। किन्तु, गोमूत्र और गोबर का उर्वरक के रूप में प्रयोग जहां एक ओर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में वृद्धि करता है, वहीं भूमि की गुणवत्ता भी बनाए रखता है। और तो और, खाद्य पदार्थ स्वादिष्ट और स्वास्थ्यकर भी होते हैं। गोमूत्र और गोबर चूँकि पर्याप्त मात्रा में कृषकों को सुलभ रहते हैं,इसलिए उन्हें किसी अन्य उर्वरक पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। जमीन को मिलती उर्वरता अब कृषि विज्ञानी एकमत हैं कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि की गुणवत्ता नष्ट हो जाती है और ऐसी भूमि उर्वरा शक्ति के अभाव में खेती के लिए अनुपयुक्त हो जाती है। किन्तु, ऐसी भूमियों में यदि गोबर और गोमूत्र का प्रयोग किया जाए तो फसल के लिए उपयोगी जीवाणुओं (बैक्टीरिया) में वृद्धि होती है और भूमि की गुणवत्ता भी बनी रहती है। यही नहीं भूमि की जल ग्रहण और पानी को रोके रखने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। इस कारण सिंचाई कम करनी पड़ती है। इसी प्रकार बारिश के पानी को भी रोकने की शक्ति बढ़ जाती है। और तो और, खेतों एवं गांवों के खर-पतवार और कूड़े-कचरे का उपयोग होता है और उसके प्राकृतिक चक्र में आने से पर्यावरण भी दूषित नहीं होता है। पर्यावरण संरक्षण इस प्रकार की कृषि के अनेक लाभ हैं। कृषकों को

काम मिलता है, बैलों को काम मिलता है, बेरोजगारी की समस्या कम होती है, गांवों से शहरों का काम के लिए पलायन रूकता है, किसानों को अपने ऊपर निर्भर रहने के कारण कृषि को मजबूत आधार मिलता है। पर्यावरण में सुधार होता है, विदेशी मुद्रा की बचत होती है और देश समृद्धि की ओर आगे बढ़ता है। गाय के गोबर और गोमूत्र से बनाए गए जलावन के उपलों (कंडों) की राख में दो गुण पाए जाते हैं। एक तो यह दुर्गंध दूर करता है और दूसरे कीटनाशक भी है। इसलिए कृषक अपने खेतों में खाद और कीटनाशक के रूप में इसका उपयोग करते हैं। खीरा वर्ग (कुकुरविटेसी कुल) के पौधों पर राख का छिड़काव किया जाता है। इसके लिए एक विशेष किन्तु सरल विधि का उपयोग किया जाता है। क्या है गौमूत्र गोमूत्र में नाइट्रोजन, गंधक, अमोनिया, तांबा, यूरिया, यूरिक एसिड, फास्फेट, सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीज, कार्बोलिक एसिड आदि पाए जाते हैं। उपरोक्त के अलावा लवण, विटामिन, ए,बी,सी,डी,ई, हिप्युरिक एसिड, क्रियाटिनिन, स्वर्ण क्षार पाए जाते हैं। बेहतर कीट नियंत्रक गोमूत्र के अनेक उपयोग हैं। देसी गायों (भारतीय मूल की) के एक लीटर मूत्र को एकत्र कर इसमें ४० लीटर पानी मिलाकर यदि खाद्यान्न, दलहन, तिलहन, सब्जी आदि के बीजों को ४-६ घंटे उपरोक्त घोल में भिगोने के बाद खेत में बोने के लिए डाला जाता है तो ऐसे बीजों का जमाव शीघ्र होता है, अंकुरण बढ़िया तो होता ही है, पौधा मजबूत और निरोग भी होता है। गोमूत्र के विविध उपयोग हैं। यह फसल को सुरक्षा रसायन के रूप में अनेक प्रकार से और कई तरह के कीटों से बचाता है। कीटों के नियंत्रण के लिए २-३ लीटर गोमूत्र को नीम की पत्तियों के साथ बंद डिब्बों में १५ दिनों तक रखकर सड़ाते हैं। सड़ने के बाद इसे छान लेते हैं और छाने हुए द्रव के १ लीटर दवा में ५० लीटर पानी मिलाकर फसल पर छिड़काव करने से अनेक प्रकार के कीटों से फसल की सुरक्षा हो जाती है। उदाहरण के लिए पत्ती खाने वाला कीट, फल छेदने वाला कीट तथा छेदक कीट आदि। इसी प्रकार गोमूत्र एवं तम्बाकू की सहायता से भी कीटनाशक तैयार किया जाता है। इसक लिए १० लीटर गोमूत्र में एक किलो तम्बाकू की सूखी पत्तियों को डालकर उसमें २५० ग्राम नीला थोथा घोलकर २० दिनों तक बंद डिब्बों में रख देते हैं। फिर इसे निकालकर १ लीटर दवा में १०० लीटर पानी मिलाकर घोल का छिड़काव करने से फसल का बालदार सूंडी से बचाव हो जाता है। इसका छिड़काव दोपहर में करना चाहिए। गोमूत्र और लहसुन की गंध के साथ कीटनाशक बनाकर रस चूसने वाले कीटों को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके लिए १० लीटर गोमूत्र में ५०० ग्राम लहसुन कूटकर उसमें ५० मिलीलीटर मिट्टी का तेल मिला देते हैं। मिट्टी के तेल और लहसुन के पेस्ट को गोमूत्र में डालकर २४ घंटे वैसे ही पड़ा रहने देते हैं। इसे बाद इसमें १०० ग्राम साबुन अच्छी तरह मिलाकर और हिलाकर महीन कपड़े से छान लेते हैं। एक लीटर इस दवा को ८० लीटर पानी में घोलकर, इस घोल के छिड़काव से फसल को चूसक कीटों से सुरक्षित रखा जा सकता है।इस प्रकार हम देखते हैं कि अलग-अलग फसलों और अलग-अलग कीटों के लिए अलग-अलग तरह की दवाएं बनाई जाती हैं। किन्तु, गोमूत्र और कुछ वनस्पतियों की सहायता एक ऐसे उत्तम किस्म की दवा तैयार की जाती है जो कई तरह की फसलों, कई तरह के कीटों और फसलों के कई तरह के रोगों में उपयोगी होता है। इस विशेष प्रकार के कीटनाशक के घोल के छिड़काव से कीटों, रोगों के अतिरिक्त नील गायों और जंगली जानवरों से भी फसल को नष्ट होने से बचाया जा सकता है। कैसे बनाएं कीटनाशक इस दवा को बनाने के लिए २० लीटर गोमूत्र को देशी और वृद्ध गायों से एकत्र करके प्लास्टिक के बड़े डिब्बे अथवा ड्रम में डालकर उसमें ५ किलोग्राम नीम की ताजी तोड़ी गई पत्तियों को ड्रम में डाल देते हैं। इसके बाद दो किलोग्राम धतूरा पंचांग अर्थात धतूरे की जड़, पत्ती, फूल, फल आदि डाल देना चाहिए। किन्तु, ध्यान रहे कि धतूरा पंचांग पहले सुखाकर रखना चाहिए और सूखा डालना चाहिए। फिर दो किलोग्राम मदार जो मदार पंचांग या पत्ती को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर डालने के बाद ५०० ग्राम लहसुन को कूटर कर डाल देना चाहिए। लहसुन के बाद २५० ग्राम तम्बाकू की पत्तियों को डालें और अंत में २५० ग्राम लाल मिर्च पाउडर डाल देते हैं। राख या पाउडर को डिब्बों में किसी लकड़ी से हिलाकर बंद कर देते हैं। बंद डिब्बे को खुले में रख देते हैं। दिन में धूप पड़ती है और रात में ओस। यह प्रक्रिया ४० दिनों में पूरी हो जाती है। इस डिब्बे में बंद राख सड़ जाती है। ४० दिनों बाद कपड़े की सहायता से इसे छान लेते हैं, क्योंकि सड़ने के बाद गीला हो जाता है। छानने के बाद द्रव को तो फसल पर प्रयोग करने से यह रसायन की भांति फसल को सुरक्षा प्रदान करती है और छानने के बाद जो सूखा पदार्थ बचता है, उसे दीमक के नियंत्रण के लिए भी इस्तेमाल करते हैं। फसल पर प्रभाव इस्तेमाल के पूर्व छने द्रव के एक लीटर रसायन को ८० लीटर पानी में घोलकर फसल पर छिड़काव करना चाहिए। इसके अनेक लाभ हैं। यह फसल को कुतर कर या काटकर खाने वाले, फसल की पत्तियों में छेद करने वाले या उसका रस चूसने वाले कीड़ों से बचाव तो करता ही है, फसल को नीलगायों, जंगली भैंसों या जंगली सांडों से भी सुरक्षित रखता है और ये फसल को हानि नहीं पहुँचा पाते हैं।गोमूत्र कीटनाशक से फसलों को नाइट्रोजन जैसे पोषक पदार्थ भी प्राप्त होते हैं। छिड़काव में भी कम मात्रा का उपयोग करना पड़ता है। छिड़काव से फसल लहलहाने लगती है। रोगों का प्रकोप कम होता है और सामग्री के लिए शहर नहीं जाना पड़ता, क्योंकि यह गांवों में ही आसानी से मिल जाती है।इस दवा का प्रयोग मक्का, तम्बाकू, कपास, टमाटर, दलहन, गेंहू, धान, सूरजमुखी, केला, भिंडी, गन्ना आदि पर किया जा सकता है और सफलता भी प्राप्त होती है। इसका प्रयोग स्थानीय स्तर पर पाए जाने वाले औषधीय पादपों पर भी किया जा सकता है। इस प्रकार गोमूत्र और गोबर से न केवल गांवों की आर्थिक दशा सुधारी जा सकती है, बल्कि देश में भी खुशहाली लाई जा सकती है।

एचआईवी से बचा सकता है सर्वदेवामयी गौ माता का दूध

गाय का दूध अब एचआईवी को दूर भगाएगा। जी, हां यह सच है। ऑस्ट्रेलिया में हुए एक रिसर्च से इस बात का खुलासा हुआ है। इसमें दावा किया गया है कि गाय के दूध को आसानी से एक ऐसी क्रीम में बदला जा सकता है जो इंसान को एचआईवी से बचा सकता है। मेलबर्न

यूनिवर्सिटी के चीफ साइंटिस्ट मेरिट क्रेमस्की ने रिसर्च के दौरान पाया कि जब प्रेगनेंट गाय को एचआईवी प्रोटीन का इंजेक्शन दिया गया, तो उसने हाई लेवल की रोग प्रतिरोधक क्षमता वाला दूध दिया जो नवजात बछड़े को बीमारी से बचाता है। गाय द्वारा बछड़े को जन्म दिए जाने के बाद पहली बार दिए गए दूध को 'कॉलोस्ट्रम' कहा गया। हेराल्ड सन की रिपोर्ट के मुताबिक, वैज्ञानिकों की योजना इस दूध को क्रीम में बदलने से पहले उसके प्रभाव और सुरक्षा का टेस्ट करना है। यह क्रीम पुरुषों से यौन संबंध बनाने के दौरान वायरस से बचा सकती है। प्रभावित सेल्स को दूध के साथ मिलाने के बाद वैज्ञानिक इस वायरस को फैलने से रोकने में सफल रहे थे। क्रेमस्की ने बताया कि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का यह सबसे सस्ता और आसान रास्ता है। उन्होंने कहा कि कॉन्डम सस्ते और आसान उपाय हैं लेकिन जहां हर साल लाखों लोग इस बीमारी से प्रभावित हो रहे हैं, वहां ये विकल्प नहीं हो सकते। खासकर, साउथ अमेरिका और अफ्रीका में, जहां औरतों को सेक्स के दौरान यह कहने की आजादी नहीं है कि हमें कॉन्डम का यूज करना चाहिए। क्रेमस्की ने कहा, 'ऐसे में यह दूध एचआईवी को रोकने का सबसे सस्ता और आसान उपाय हो सकता है। अगर आप दवाइ्यों का यूज करते हैं तो यह सच में महंगी होती हैं।

Terror groups targeting India continue to operate from Pakistan: US report on terrorism

WASHINGTON: Terrorist groups targeting India continued to operate from Pakistan and Islamabad did not take action against other known terrorists, including JeM founder and UN-designated terrorist Masood Azhar and the 2008 Mumbai attack "project manager" Sajid Mir, who remain free in that country, according to a latest report on terrorism by the US State Department.

US Secretary of State Antony Blinken, in the 2020 Country Reports on Terrorism issued on Thursday, said that regionally, terrorist groups continued to operate from Pakistan. "Groups targeting Afghanistan — including the Afghan Taliban and affiliated Haqqani network (HQN), as well as groups targeting India, including Lashkar-e-Taiba (LeT) and its affiliated front organisations, and Jaish-e-Mohammed (JeM) — continued to operate from Pakistani territory," according to the report. Pakistan did not take action against other known terrorists such as JeM founder and UN-designated terrorist Azhar and 2008 Mumbai attack "project manager" Mir, both of whom are believed to remain free in Pakistan, the report said. In February and again in November, a Lahore antiterrorism court convicted Lashkar-e-Tayyiba founder Hafiz Saeed on multiple counts of terrorism financing and sentenced him to five years and six months in prison, the report noted.

It acknowledged that Pakistan made additional progress in 2020 towards completing its Financial Action Task Force (FATF) Action Plan, but did not complete all Action Plan items, and remained on the FATF "gray list".

Bhutan confers its highest civilian award on PM Narendra Modi

The country of Bhutan on Friday conferred its highest civilian award, Ngadag Pel gi Khorlo, on Prime Minister Narendra Modi. Jigme Khesar Namgyel Wangchuck, the head of state of the country, pronounced Modi's name for the much-coveted civilian decoration and highlighted the "unconditional friendship" and support that India, under Prime Minister Narendra Modi's leadership, had extended to Bhutan over the years and particularly during the coronavirus disease (Covid-19) pandemic.

"Much deserving! Congratulations from the people of Bhutan," the Prime Minister's Office (PMO) of the country noted in an official post on Facebook. "In all interactions, seen Your Excellency as a great, spiritual human being. Looking forward to celebrating the honour in person."

According to the ministry of external affairs, mutually beneficial economic inter-linkages between India and Bhutan have been an important element in bilateral relations. India continues to be the largest trade and development partner of Bhutan and has extended its assistance to several developmental projects in the country – such as the 1020 MW Tala Hydroelectric Project, Paro Airport, and the Bhutan Broadcasting Station.

In addition, India is also a leading trade partner of Bhutan, with a free trade regime existing between the two countries. Bhutan was, in fact, the first country to receive the Narendra Modi regime's gift of Covid-19 vaccines, manufactured by the Serum Institute of India (SII). Earlier this year in January, the country received the first consignment of 1.5 lakh doses of the Covishield vaccine from India as a gift.

Later, the Himalayan country also received an additional 400,000 doses of the Covid-19 vaccine from India, thus enabling the nationwide inoculation process against the pandemic. Bhutan's prime minister Lotay Tshering, expressing his gratitude, prayed that these gestures turn into boundless blessings for the people of India. "Pleased to receive additional 400,000 doses of Covishield, making possible the nationwide rollout of our vaccination programme," Tshering had tweeted, tagging Prime Minister Narendra Modi. "The people of Bhutan and I remain grateful."

Last year, Prime Minister Modi had visited Bhutan to diversify partnership with the kingdom from the hydro-power sector and to enhance trade and linkages in space and education.

Pre-Budget consultations: Finance minister to meet service, trade sector experts

Ahead of the 2022-23 Union Budget of India, finance minister Nirmala Sitharaman will on Friday hold a series of pre-budget consultations with stakeholders from various industries in two sessions. While the first session will have the Union minister interacting with

representatives from the services and trade sector, the next session will be with experts from industry, infrastructure, and climate change. According to officials familiar with the matter, the meetings will be held in a virtual format in the national capital Delhi and will focus on various aspects of the forthcoming general budget 2022-23, which is to be unveiled by the central government on February 1, 2022. "Union finance minister Nirmala Sitharaman will chair pre-budget consultations with stakeholders from various sectors in 2 sessions tomorrow, December 17, 2021, in New Delhi in connection with the forthcoming General Budget 2022-23," said the finance ministry in a tweet on Thursday. "The meetings are being held virtually." "FM Nirmala Sitharaman will be holding consultations with representatives of Services and Trade sector in forenoon; and with 2nd group of experts from Industry, Infrastructure and Climate Change in the afternoon," it added. Presenting the Union Budget, the annual financial report of India, is a compulsory task of the central government as it provides an estimate of the income and expenditure of the central government on a periodical basis. The Budget next year would come against the backdrop of gradual recovery taking place in the economy hit by the coronavirus disease (Covid-19) pandemic. It is likely to be presented on February 1 during the first half of Parliament's Budget session which usually begins in the last week of January every year. Months ahead of the presentation, the finance minister holds consultations with experts and different stakeholder groups to listen to various grievances and concerns as part of the pre-budget consultations. On Thursday, Nirmala Sitharaman met infrastructure and financial sector honchos to seek their inputs for Budget 2022-23.

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख मामले में राज्य सरकार को हाई कोर्ट से झटका

मुंबई- बुधवार को राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों की जांच को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट से राज्य सरकार को तगड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें

देशमुख के खिलाफ एक एसआईटी गठित करके अदालत की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

राज्य सरकार ने सीबीआई जांच का विरोध करते हुए हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। राज्य सरकार ने दावा था कि सीबीआई के निदेशक सुबोध कुमार जायसवाल हैं। वे राज्य के पूर्व डीजीपी है और पुलिस अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग की देखरेख करने वाले पुलिस स्थापना बोर्ड (पीईबी) का हिस्सा भी रहे हैं। इसीलिए उनके नेतृत्व में सीबीआई की जांच निष्पक्ष नहीं हो सकती है। न्यायमूर्ति एन.जे. जामदार और न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल की खंडपीठ ने अपने आदेश में राज्य के दलीलों को ख़ारिज कर दिया है। हाई कोर्ट ने कहा, 'न्यायिक आदेशों और रिकार्ड को देखते हुए याचिकाकर्ता किसी भी राहत का हकदार नहीं है। याचिकाकर्ता के इस दलील में कोई दम नहीं है कि सीबीआई को मामले में जांच करने का अधिकार नहीं है। सीबीआई ने हाई कोर्ट के निर्देश पर प्रारंभिक जांच करके देशमुख और अज्ञात अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया था। इसमें पुलिस अधिकारियों के तबादलों और पोस्टिंग के संबंध में राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन उसे राहत नहीं मिली थी।

आरटीओ का काम होगा तेज, १५ साल बाद हुई नई भतियां

मुंबई- महाराष्ट्र राज्य परिवहन विभाग में इन दिनों कई नई गतिविधियां हो रही हैं। इनमें से एक ये भी है कि करीब १५ साल बाद करीब ४०० पदों पर भतियां हुई हैं। इनमें असिस्टेंट इंस्पेक्टर के पद की नियुक्तियां हुई हैं। स्टेट ट्रांसपोर्ट ने उम्मीद जताई है कि इन पदों को भरने के बाद अब लोगों के आरटीओ संबंधित कामों में तेजी आएंगी।

नया मोटर वीइकल ऐक्ट १ दिसंबर से लागू हुआ है। इसमें कार्रवाई का अधिकार कई आरटीओ कर्मचारियों को भी दिया है। दूसरी ओर कर्मचारियों की कमी के कारण आरटीओ के कार्यालय संबंधित काम पूरे नहीं हो पा रहे थे, इसलिए एमवी ऐक्ट से संबंधित कार्रवाई करना मुश्किल था। मसलन स्पीड से वाहन चलाने, खतरनाक तरीके से वाहन चलाने, वाहन के पंजीकरण, परमिट जैसे कार्यों के लिए असिस्टेंट इंस्पेक्टर, सब असिस्टेंट इंस्पेक्टर और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर लेवल के कर्मचारियों को कार्रवाई का अधिकार दिया है। अब तक इस श्रेणी में कर्मचारी नहीं होने के कारण कार्रवाई की ओर ट्रांसपोर्ट विभाग का

ध्यान नहीं जा रहा था।

मुंबई में करीब ४० लाख पंजीकृत वाहन हैं। मुंबई में चार आरटीओ कार्यालय हैं, लेकिन हर आरटीओ में बमुश्किल एक फ्लाइंग स्क्वॉड है। एक फ्लाइंग स्क्वॉड में तीन से चार लोग होते हैं, यानी मुंबई के करीब ४० लाख वाहनों पर कार्रवाई करने के लिए करीब १६ लोग उपलब्ध थे। बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए रिक्त पदों की भतियां जरूरी थीं। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अविनाश ढाकने के अनुसार नए पदों की नियुक्तियों के बाद कार्रवाई में भी तेजी आई है। पिछले दस दिनों से निजी बसों पर आरटीओ की कार्रवाई जारी है। इन बसों में अवैध तरीके से सामान ट्रांसपोर्ट होता है।

आरटीओ कार्यालयों में जब आप लाइसेंस बनवाने जाते हैं, तब इंस्पेक्टर लेवल के अधिकारी को प्रक्रिया पूरी करनी होती है। स्टाफ की कमी के कारण इस प्रक्रिया में समय लगता था। लाइसेंस के लिए अपॉइंटमेंट भी देरी से मिलता था। अब इन प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टाफ मौजूद होगा। इंस्पेक्टर लेवल के अधिकारियों को असिस्ट करने के लिए कर्मचारियों की नियुक्तियां हुई है। ऐसे में, लर्निंग लाइसेंस, ड्राइविंग लाइसेंस और लाइसेंस के नवीनीकरण में भी तेजी आएगी।

आशीष शेलार का BMC से सवाल, पूछा- करण जौहर के घर पर आयोजित दावत में महाराष्ट्र का कोई मंत्री भी शामिल?

मुंबई- भाजपा नेता आशीष शेलार ने बृहस्पतिवार को बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) से पूछा कि बॉलीवुड निर्माता-निदेशक करण जौहर के घर पर आयोजित दावत में क्या महाराष्ट्र का कोई एक मंत्री भी मौजूद था? इस दावत में शामिल होने के बाद अभिनेत्री करीना कपूर और कुछ अन्य कलाकार कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं।

यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए शेलार ने कहा, मैं जानना चाहता हूं कि क्या यहां करण जौहर के आवास पर आयोजित 'डिनर पार्टी' (रात्रि भोज) में महाराष्ट्र का कोई मंत्री मौजूद था। सीमा खान और करीना कपूर जैसी हस्तियों ने उपस्थित लोगों के बारे में जो विवरण बताए हैं उनमें विसंगति है। क्या यह कुछ नाम छिपाने की कोशिश है? उन्होंने कहा, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों की ओर से मेरे साथ साझा की गई जानकारी के अनुसार, सीमा खान ने उन सभी लोगों के नामों का खुलासा नहीं किया जो जौहर के घर पर आयोजित 'डिनर पार्टी' मौजूद थे। मुझे लगता है कि इसे आठ दिसंबर को आयोजित किया गया था। भाजपा नेता ने कहा, उन्होंने जिन नामों के बारे में नहीं बताया, वे तब सामने आए जब करीना कपूर ने संपर्कों का पता लगाने के लिए बीएमसी अधिकारियों से संपर्क किया। यह उस दावत में शामिल होने वाले लोगों की सही संख्या के बारे में संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि मीडिया में बीएमसी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि दावत में सिर्फ आठ लोगों ने शिरकत की थी।

महाराष्ट्र बोर्ड की में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा होगी ऑफलाइन

मुंबई- महाराष्ट्र बोर्ड की एसएससी और एचएससी की सत्र २०२१-२२ की बोर्ड परीक्षाएं ऑफलाइन होंगी। शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड के मुताबिक, १०वीं और १२वीं की बोर्ड परीक्षा १४ फरवरी से ७ अप्रैल के बीच होंगी। १२वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा ४ मार्च से ७ अप्रैल तक और मौखिक परीक्षा १४ फरवरी से ३ मार्च तक होगी।

१०वीं बोर्ड की लिखित परीक्षा १५ मार्च से १८ अप्रैल तक और मौखिक परीक्षा २५ फरवरी से १४ मार्च तक होगी। परीक्षा पैटर्न और मूल्यांकन पहले की तरह ही होगा।

पिछले दो साल का हाल: २०२०: एक परीक्षा नहीं हो पाई थी, जिसमें दूसरे विषयों के आधार पर औसत अंक दिए गए थे, २०२१: परीक्षाएं नहीं हुई थीं, सालभर के प्रदर्शन के आधार पर अंक दिए गए थे

દસક્રોઇ તાલુકા મહેસુલ ભવનમાં 3 દવિસથી તમામ કામગીરી બંધ

અમદાવાદ- વસ્ત્રાલમાં આવેલ દસક્રોઇ તાલુકા મહેસુલ ભવનમાં બીએસએનએલનો વાયર કપાઇ જવાના કારણે નેટ ન હોવાથી છેલ્લા ત્રણ દવિસથી મહેસુલ ભવનની તમામ પ્રકારની

કામગીરી બંધ પડી છે. રોજના હજારો અરજદારો ધક્કા ખાઇ રહ્યા છે, નેટ નથી , નો જવાબ મળી રહ્યો છે. ક્યારે નેટ સેવા પૂર્વવત થશે તેનો પણ ચોક્કસ સમયગાળો બતાવવામાં આવી રહ્યો ન હોવાની સ્થતિમિાં વવિધિ કામ અર્થે આવેલા અરજદારો હેરાનગતિ ભોગવી રહ્યા છે. દસક્રોઇ મહેસુલ ભવનમાં ચૂંટણીલક્ષી, દસ્તાવેજો નોધણી, વૃદ્ધ સહાય, પેન્શનને લગતી, ઇ-ધરા, પુરવઠા વભિાગની રેશનકાર્ડને લગતી, ખેડૂત પ્રમાણપત્ર આપવા, ઇ-શ્રમકાર્ડમાં નોધણી, રેવન્યુ, આવકના દાખલા, ૭-૧૨ અને ૮-અ ના ઉતારા કઢાવવા, મરણના પ્રમાણપત્રો લેવા સહતિની જાહેર પબ્લકિને લગતી તમામ પ્રકારની કામગીરી નેટ સેવા બંધ હોવાથી છેલ્લા ત્રણ દવિસથી ઠપ થઇ ગઇ છે. નેટનો કેબલ કપાઇ ગયો હોવાથી આખા ભવનની તમામ કામગીરી આટલા દવિસથી બંધ હોવા છતાંય અધકિારીઓ અરજદારોના હતિમાં ગંભીરતાથી કોઇ પગલા લેતા નથી, કેબલનું જોડાણ પૂર્વવત અને ઝડપભેર થઇ જાય તેવા પ્રયાસો કરતા ન હોવાની અરજદારોની ફરયિાદ છે. નેટ સેવા બંધ હોવાથી અરજદારો ધક્કા ખાઇ રહ્યા છે તેવામાં અધકિારીઓ-ર્કમચારીઓને નેટના બહાના હેઠળ દૈનકિ કામ કરવામાંથી રાહત મળી હોય તેવો માહોલ જોવા મળી રહ્યો છે. હજારો અરજદારો હેરાન થઇ રહ્યા છે. અનેક પ્રકારના સરકારી કામો અટવાઇ પડયા છે તેવામાં ત્રણ-ત્રણ દવિસ સુધી નેટના કેબલનું કામ કરી શકાયું નથી તે શરમનો વષિય છે.

સ્માર્ટ સટિીનું મસિમેનેજમેન્ટ રીવરફ્રન્ટ ખાતે ૨૮ કરોડના ખર્ચે તૈયાર કરાયેલા સ્પોર્ટસ કોમ્પલેકસ ધુળ ખાય છે

અમદાવાદ- અમદાવાદના સાબરમતી રીવરફ્રન્ટ ખાતે ૨૮ કરોડના ખર્ચે પાલડી ઉપરાંત શાહપુર પાસે શહેરીજનો માટે તૈયાર કરવામાં આવેલા બે સ્પોર્ટસ કોમ્પલેકસ તૈયાર થઈ ગયા હોવા છતાં મ્યુનસિિ શાસકો પાસે લોકોના ટેકસના નાણાંમાંથી બનાવવામાં આવેલા સ્પોર્ટસ કોમ્પલેકસ શરુ કરવાનો સમય નથી.

મ્યુનસિપિલ કોર્પોરેશન દ્વારાજાન્યુઆરી-૨૦૧૯માં ૪૫ હજાર સ્કેવર મીટર જગ્યામાં અદ્યતન સ્પોર્ટસ કોમ્પલેકસ તૈયાર કરવા એમ.પટેલ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રકચરને વર્ક ઓર્ડર આપવામાં આવ્યો હતો.પાલડી

વસ્તિારમાં આવેલા એન.આઈ.ડી.પાસે ચાર ક્રીકેટ પીચ, પાંચ ટેનસિ કોર્ટ ઉપરાંત સ્કેટીગ રીગ તેમજ ૮૦૦ મીટરનો જોગીગ ટ્રેક સહતિની સુવધિા ઉભી કરવામાં આવી છે.કોગ્રેસના કોર્પોરેટર શહેજાદ ખાન પઠાણની મળેલી પ્રતક્રિયા મુજબ,પાલડી વસ્તિારના એન.આઈ.ડી.પાસે તેમજ શાહપુર પાસે બાસ્કેટ બોલ, ફુટબોલ અને જીમ સહીતની સુવધિા સાથે ૭૪૭૨ સ્કેવર મીટર જગ્યામાં બાંધવામાં આવેલા બંને સ્પોર્ટસ કોમ્પલેકસ ઘણાં સમયથી તૈયાર થઈ ગયા હોવા છતાં શાસકો દ્વારા તેનું લોકાર્પણ કરવામાં આવતુ નથી.

યુનાની ડૉક્ટરે પગમાંથી ૯૦ ટીપાં લોહી કાઢી સારવાર પેટે ૩.૨૫ લાખ માગ્યા

અમદાવાદ- પગના નડાં પરની ચામડી પરના કાળાં ડાઘ દૂર કરવાની સારવાર કરી આપવાને નામે ઇન્જેક્શનથી લોહી ખેચવાની કહેવાતી સારવાર આપીને કહેવાતા યુનાની ડૉક્ટરે યુવાન પાસે ૨૦ મનિટિ સારવારના રૂા. ૩.૨૫ લાખ ટ્રીટમેન્ટ પેટે માગ્યા હતા. એકવાર ઇન્જેક્શનથી સારવાર આપવાના રૂા. ૩૫૦૦ થશે તેમ જણાવીને સારવારનો આરંભ કરવામાં આવ્યો હતો. આ સારવાર દરમયિાન પગના નડાં પરની કાળી ચામડીની આસપાસથી થોડું થોડુ ંલોહી ખેચીને એક કાગળ પર તેના

૯૦ જેટલા ટીપાં બતાવીને એક ટીપાના રૂા. ૩૫૦૦ને હસિાબે સવા ત્રણ લાખ રૃપયિાની માગણી કરતાં યુવાન ચોકી ઊઠયો હતો. વાસ્તવમાં ચારપાંચ વાર લોહી ખેચીને સારવાર આપશે તો રૂા. ૧૫થી ૧૬ હજારનો ખર્ચ થવાની ગણતરી યુવાન માંડી બેઠો હતો. પરંતુ કહેવાતા ડૉક્ટરને વૈષ્ણોદેવી પાસે આવેલા ગાલો હેવનમાં ભાડાંના ફ્લેટમાં રહેતા યુવાનને સારવાર આપવા માટે રૂા. ૩.૨૫ લાખ માગ્યા હતા. પરણિામે રાજસ્થાનથી આવેલા યુવાને તેની પાસે ઘરમાં આટલી મોટી રકમ ન હોવાનુ ંજણાવ્યું હતું. ત્યારે સારવાર આપવા આવેલા કહેવાતા ડૉક્ટરે બલિ લીધા વનિા જશે જ નહિ તેવી ચીમકી આપી હતી. પરણિામે ગભરાયેલા યુવાને જોધપુર તેના પતિા સાથે કહેવાતા ડૉક્ટરને વાત કરાવી હતી. ડૉક્ટરે તેના પતિા સાથે વાત કરતાં જણાવ્યું હતુંક ેમે તમારા પુત્રને પહેલાથી જ જણાવ્યું હતું કે એકવાર લોહી ખેચીને સારવાર આપવાના રૂા. ૩૫૦૦ થશે. તેના પર ૨૦ મનિટિમાં ૯૦ વાર આ પ્રોસજિર કરી છે. તેથી તેણે રૂા. ૩.૨૫ લાખ ચૂકવવાના થાય છે.

गऊ भारत भारती
परिवार
प्रकाशक/ प्रधान संपादक
संजय रमाशंकर शर्मा
सलाहकार संपादक
राजेश विक्रांत (स्तंभकार हिंदी दोपहर का सामना),
प्रेम कुमार (सलाहकार संपादक)
विशाल भगत (सलाहकार संपादक)
संवाददाता- फिरोज खान, अब्दुल कादिर
विज्ञान विभाग- साई सामी ग्रुप
भूपेंद्र- फोटोग्राफर
पृष्ठ सज्जा- गुडेकर ग्राफिक्स
अनिल नलावडे- वितरण व्यवस्था
मंत्रालय वितरण- सुचित कुमार
सभी पद अवैतनिक है
संपर्क- गाला नं. 430, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, आर-5, 4था माला, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर (पश्चिम), मुंबई- 400104
मो- 9768372509.

योगी सरकार के खिलाफ मिलकर चुनाव लड़ेंगे अखिलेश और चाचा शिवपाल

समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन हो गया है। अखिलेश यादव ने अपने चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। यूपी चुनाव के मद्देनजर को चाचा शिवपाल से अखिलेश यादव ने मुलाकात की। करीब डेढ़ घंटे तक बंद कमरे में हुई बातचीत के दौरान दोनों पार्टियों ने गठबंधन पर सहमति जताई। सपा और प्रसपा के बीच गठबंधन तय होने की जानकारी अखिलेश यादव ने फेसबुक और ट्विटर पर पोस्ट डालकर दी। अब दोनों लोग मिलकर योगी सरकार के खिलाफ चुनाव में उतरेंगे। अखिलेश यादव ने ट्विटर पर लिखा, 'प्रसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी से मुलाकात हुई और गठबंधन की बात तय हुई। क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को ऐतिहासिक जीत की ओर ले जा रही है।' बता दें कि मुलायम सिंह यादव जिस परिवार को पिछले कई दशक से एक साथ लेकर चल रहे थे, वह २०१७ के चुनाव के बाद दो टुकड़ों में बँट गया

था। इसकी शुरूआत २०१६ में ही हो गई थी। मुलायम सिंह के परिवार की यह लड़ाई इस स्तर तक पहुँच गई कि अखिलेश ने चाचा शिवपाल को मंत्री पद से बर्खास्त कर दिया तो चाचा ने भतीजे को ही पार्टी से ही बाहर कर दिया। थोड़े दिन के लिए यह लड़ाई थम गई। लेकिन शिवपाल सिंह यादव ने अपनी अलग पार्टी बनाकर अलग राह चुन ली थी।

एक क्लिक पर मिलेगी बेस्ट बस की पूरी जानकारी, यात्रियों के लिए जल्द लॉन्च होगा बेस्ट का नया ऐप

मुंबई- इस साल के अंत तक यात्रियों के लिए बृहन्मुम्बई इलेक्ट्रिक सप्लाई ऐंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) द्वारा नया ऐप लाया जाएगा। इस ऐप का उपयोग कैशलेस टिकट के लिए हो सकेगा। इस मोबाइल ऐप को बेस्ट प्रशासन जल्द ही लॉन्च करने वाला है। ऐप का इस्तेमाल प्री-पेड या पोस्ट-पेड मोबाइल पर हो सकेगा। १५ दिसंबर को बेस्ट द्वारा यात्रियों को लुभाने के लिए सुपर सेवर प्लान की घोषणा की गई है। इस योजना में निश्चित दाम में यात्री को निश्चित ट्रिप मिलेंगी। एक ट्रिप की कीमत रु१.९९ रुपये जितनी होगी। ट्रिप की संख्या, प्लान की श्रेणी और प्लान के पीरियड के हिसाब से दाम देने होंगे। इस स्कीम में एक दिन के प्लान से लेकर ८४ दिन के प्लान मौजूद होंगे। इसके अलावा दो ट्रिप से लेकर १५० ट्रिप का प्लान भी रहेगा।

महिलाओं को गाय दिखाने वाले विज्ञापन पर कंपनी ने माफी मांगी

अपने विज्ञापन में सोल मिल्क ने महिलाओं को घास चरती गायों के रूप में दिखाया था. विज्ञापन में ये महिलाएं गाय में तब्दील हो जाती थीं. घोर आलोचना के बाद कंपनी ने न सिर्फ यह विज्ञापन हटा लिया बल्कि इसके लिए माफी भी मांगी. इंटरनेट पर पोस्ट अपने माफीनामे में कंपनी ने कहा, 'पिछले महीने २९ तारीख को जारी विज्ञापन से जिसे भी तकलीफ हुई है, हम उससे पूरी गंभीरता से माफी मांगते हैं. हम इस मुद्दे को गंभीरता से स्वीकार करते हैं और अंदरूनी तौर पर इसकी समीक्षा भी करेंगे ताकि ऐसा भविष्य में ना हो. हम सिर झुकाकर माफी चाहते हैं.'

हटाया गया वीडियो वीडियो को यूट्यूब से हटा लिया गया है लेकिन बहुत सारे लोगों ने यह वीडियो अलग-अलग वेबसाइटों पर पोस्ट कर दिया है जिसके बाद बार-बार इसे देखा जा रहा है. इस वीडियो की शुरुआत कुछ इस तरह होती है कि एक आदमी अपना कैमरा लिए ग्रामीण इलाके में घूम रहा है.

वॉइस ओवर में आवाज आती है, 'आखिरकार हमने उन्हें कैमरे में कैद कर ही लिया, ऐसी जगह जहां असीम सफाई है.' इसके बाद

व्यक्ति झाड़ियों में छिपा दिखाई देता है. वह योग कर रहीं और नदी से पानी पी रहीं महिलाओं की तस्वीरें ले रहा है. जब वह व्यक्ति गलती से हिलता है तो शोर से महिलाएं चौंक जाती हैं और वे एकदम गायों में बदल जाती हैं. विज्ञापन के आखिर में कहा जाता है, 'साफ पानी, ऑर्गेनिक चारा, सौ फीसदी शुद्ध सोल मिल्क.' दक्षिण कोरिया की पत्रकार ह्वोन जंग ने ट्विटर पर लिखा, 'संभवतया यह २०२१ का सबसे लिंगभेदी और डरावना विज्ञापन है.' लैंगिक संवेदनशीलता पर बहस इस विज्ञापन ने न सिर्फ कोरिया में बल्कि दुनियाभर में नारीवाद और लैंगिक संवेदनशीलता को लेकर नई बहस छेड़ दी है. विज्ञापन की आलोचना सिर्फ इसलिए नहीं हो रही है कि महिलाओं को गाय के रूप में दिखाया गया. कुछ लोगों ने यह भी कहा है कि एक पुरुष का चोरी-छिपे महिलाओं की तस्वीरें उतारना भी आपत्तिजनक है. दक्षिण कोरिया में पिछले दिनों ऐसे मामले बहुत ज्यादा बढ़े हैं जबकि महिलाओं की चोरी-छिपी वीडियो बनाई गईं और उन्हें इंटरनेट पर पोस्ट कर दिया गया. इस मुद्दे पर पहले से ही कई संगठन सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं.

महाराष्ट्र में लगातार बढ़ते जा रहे ओमीक्रोन के मामले, देश के ७३ केसेस में ३२ महाराष्ट्र के, मुंबई में धारा १४४ लागू

मुंबई- देश में ओमीक्रोन के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसको देखते हुए राज्य सरकारों ने प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिए हैं। पूरे देश में कुल मामले बढ़कर ७३ पहुंच गए हैं। ओमीक्रोम के मामलों में महाराष्ट्र टॉप पर है। महाराष्ट्र में लगातार केसेस सामने आ रहे हैं। राज् में ओमीक्रोन वैरिएंट वाले कोविड मामले बढ़कर ३२ हो गए हैं। इधर राज्य में

स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया है। चिंता जाहिर की जा रही है कि केसेस जनवरी और फरवरी में रफ्तार पकड़ सकते हैं। इधर मुंबई में ३१ दिसंबर तक धारा १४४ लागू कर दी गई है। महाराष्ट्र में बुधवार को ओमीक्रोन के चार नए मामले पाए गए, राज्य में कोरोना वायरस के नए स्वरूप के मामलों की संख्या बढ़कर ३२ हो गई है। वहीं मंगलवार को ८ मरीजों में ओमीक्रोन की पुष्टि हुई थी। इनमें से सात मुंबई के थे। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के ओमीक्रोन स्वरूप के मामलों में जनवरी में तेजी आने की आशंका है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। चार मरीजों में से दो उस्मानाबाद के, एक-एक मुंबई का और बुलढाणा का है। महाराष्ट्र के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. प्रदीप व्यास ने कहा, 'कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का संक्रमण दुनिया भर में तेजी से फैल रहा है और महाराष्ट्र में अगले साल जनवरी में इसमें तेजी आने की आशंका है।

चीन से सुधरेंगे भारत के संबंध? जल्द ही इश मोदी और पुतिन की शी जिनपिंग के साथ बैठक संभव

भारत, रूस और चीन के बीच जल्द त्रिपक्षीय शिखर वार्ता हो सकती है। रूस ने हाल में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ वर्चुअल बैठक के दौरान रूस-भारत-चीन शिखर सम्मेलन आयोजित करने पर चर्चा की थी। रूस का दावा है कि चीन ने इस पर औपचारिक सहमति प्रकट की है। हालांकि भारत की तरफ से अभी न तो इसकी पुष्टि की गई और न ही खारिज किया गया है। इसलिए माना जा रहा है कि निकट भविष्य में त्रिपक्षीय बैठक संभव है जिसमें तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष रहते हैं। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन की हालिया दिल्ली यात्रा और उसके बाद चीनी राष्ट्रपति से हुई वर्चुअल शिखर वार्ता के आलोक में इस ताजा घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तास एजेंसी ने रूस के राष्ट्रपति के प्रवक्ता के हवाले से कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन ने शी जिनपिंग से अपनी दिल्ली यात्रा का जिक्र किया और इस बात पर जोर दिया कि जल्द त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन होना चाहिए। इस फॉर्मेट में पिछली वार्ता जापान के ओसाका में जी-२० बैठक के दौरान जून २०१९ में हुई थी जिसमें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जिनपिंग मौजूद थे। उसके बाद यह वार्ता नहीं हो पाई थी जिसकी वजह कोरोना, भारत-चीन के बीच उत्पन्न तनाव आदि भी हो सकते हैं। हालांकि इस साल विगत २६ नवंबर को तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच वर्चुअल तरीके से बैठक हुई थी। इस बारे में सवाल पूछने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि मीडिया में सूचनाएं आई हैं लेकिन इस मुद्दे पर अभी उनके पास देने के लिए कोई जानकारी नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि आरआईसी (रूस-भारत-चीन) फॉर्मेट में विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता हुई है। पूर्वी लद्दाख में पिछले साल भारत-चीन सीमा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच तनाव उत्पन्न हो गया था। शीर्ष सैन्य कमांडरों की कई दौर की वार्ता के बाद भी एलएसी पर कई बिन्दुओं पर अभी भी तनाव बना हुआ है साथ ही वार्ता में गतिरोध भी बना हुआ है।

गंभीर बीमारियों वाली सर्दी और वैक्सीन नहीं लेने वालों की मौत, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ओमिक्रॉन को लेकर चेताया

दुनिया भर में कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन वेरिएंट ने चिंता बढ़ा रखी है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस वेरिएंट को लेकर लोगों को आगाह किया है। गुरुवार को जो बाइडन ने कहा कि यूनाइटेड स्टेट में कोरोना वायरस कापी तेजी से फैल सकता है और यह सर्दी गंभीर बीमारियों वाली होगी। उन्होंने वैक्सीन ना लेने वालों को आगाह करते हुए कहा कि वैक्सीन नहीं लेने वालों की मौत भी हो सकती है।

यूनाइटेड स्टेट के राष्ट्रपति ने शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों से महामारी की स्थिति को लेकर जानकारी हासिल की है। बाइडेन ने लोगों से कहा कि वो जल्द से जल्द बूस्टर शॉट लें। बाइडन ने कहा, 'इस सर्दी गंभीर रोगों वाली नजर आ रही है और वैक्सीन ना लेने वालों की मौत हो सकती है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ट्वीट में कहा, 'अगर आपने वैक्सीन ली है और फिर भी आप नए वेरिएंट को लेकर चिंतित है तो बूस्टर डोज लें। अगर आपने वैक्सीन नहीं ली.. जाइए जाकर पहला डोज लीजिए। हम ओमिक्रॉन वेरिएंट से एक साथ मिलकर लड़ेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ओमिक्रॉन वैरिएंट तेजी

से यूनाइटेड स्टेट में नहीं फैल रहा और इसके लिए यहां प्रशासन तारीफ के काबिल है। बाइडेन ने कहा, 'ओमिक्रॉन अब यहा हैं... यह फैल रहा है और आगे जाकर यह और भी ज्यादा बढ़ सकता है। अपना बूस्टर डोज लें..यह बहुत जरुरी है।'बता दें कि पहले से ही डेल्टा स्वरूप के संक्रमण से जूझ रहे अमेरिका में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के कारण अराजक स्थिति की एक और लहर का खतरा मंडरा है और देश में संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दोगुनी हो जाने का खतरा है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इससे पहले कहा था कि लॉकडाउन लागू करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि टीके व्यापक पैमाने पर उपलब्ध हैं और वे वायरस के गंभीर परिणामों से सुरक्षा मुहैया कराने में कारगर प्रतीत होते हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के नेतृत्व में एक शोध सहयोग के लिए कोविड के स्वरूपों पर नजर रखने वाले जैकब लेमीक्स ने कहा, ''डेल्टा संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, बल्कि तेजी से बढ़ रहे हैं और ऐसे में ओमिक्रोन मामलों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। यह चिंताजनक है, क्योंकि हमारे अस्पताल पहले ही भरे हुए हैं और कर्मी थके हुए हैं।'' अमेरिका में रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की निदेशक रोशेल वालेंस्की ने कहा है कि शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि ओमिक्रॉन डेल्टा से अधिक संक्रामक है और इसके दोगुने होने का समय दो दिन है।

कैसे जेल में बंद चंद्रशेखर ने अरबपति की पत्नी से २०० करोड़ की उगाही की? फिल्मी स्टोरी से कम नहीं पूरी कहानी

जेल में रहते हुए एक अरबपति की पत्नी से २०० करोड़ की उगाही करने वाले चंद्रशेखर ने इस पटकथा को इतनी सफाई से अंजाम दिया कि इसकी भनक न तो अरबपति की पत्नी को लगी और न ही जेल प्रशासन को। घटना कुछ इस प्रकार से है कि मनी लॉड्रिंग केस में पूर्व अरबपति जेल में बंद है। उसकी पत्नी जमानत पाने के लिए चंद्रशेखर से फोन पर घंटों बात करती है। उसे लगता है कि वह देश के गृह सचिव या किसी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से बात कर रही है। वह गृह मंत्री से

मिलने के लिए भी पूछती है और उसे इसका भरोसा भी दिया जाता है। सबसे हैरानी और रोचक बात तो ये है कि वह बिना कुछ काम किए करोड़ों रुपए भी देने को राजी हो जाती है। अरबपति की पत्नी को यह पता लगाने में कई माह लग जाते हैं कि उसकी बातचीत जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर से हुई और उसके साथ करोड़ों रुपये का घोटाला किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से जुलाई में इस महिला की बातचीत को रिकॉर्ड करना शुरू किया। बाद में महिला ने इन चैट्स को ईडी को सौंपा।

पॉक्सो एक्ट में विवादित आदेश देने वाली जज का होगा डिमोशन! सुप्रीम कोर्ट ने लिया फैसला

नई दिल्ली- सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट में स्थायी जज के तौर पर जस्टिस पुष्पा वी गनेदीवाला के नाम की सिफारिश नहीं करने का फैसला लिया है. खबर है कि पॉक्सो एक्ट के तहत जस्टिस गनेदीवाला की तरफ से दिए गए दो फैसले के चलते सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की तरफ से यह कदम उठाया गया है. फिलहाल, बॉम्बे हाईकोर्ट में अतिरिक्त जज की जिम्मेदारियां संभाल रहीं गनेदीवाला ने ही 'स्किन टू स्किन' मामले में विवादित फैसला सुनाया था, जिसके चलते वो काफी विवादों में रही थीं.

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस गनेदीवाला के दो फैसलों की बारीकी से जांच की गई थी, जिसमें उन्होंने पॉक्सो एक्ट के तहत यौन उत्पीड़न की विवादित व्याख्या की थी.

यह साप्ताहिक स्वामी मुद्रक व प्रकाशक संजय रमाशंकर शर्मा द्वारा सोमानी प्रिंटींग प्रेस, गाला नं. ३/४, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला'क्रॉस रोड नं. २, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- ६३, महाराष्ट्र से मुद्रित करवाकर, इर्ला सोसायटी रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई- ४०० ०५६ महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।

■ संपादक - संजय रमाशंकर शर्मा, संपादकीय कार्यालय- आर-५, ४था माला, गाला नं. ४३०, अस्मी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, नियर आशिर्वाद इंडस्ट्रीयल इस्टेट, राममंदिर स्टेशन (पश्चिम), गोरेगांव, मुंबई- ४००१०४ मो- ९७६८३७२५०९. फोन- ०२२-६९९९९४६६

■ कानूनी सलाहकार- ॲड. देवेंद्र सिंह / ॲड. सुरेश पांडेय (किसी भी विवाद का न्यायालय क्षेत्र मुंबई होगा) इस अख़बार में प्रकाशित लेख, समाचार से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। ■ gausevatimes@gmail.com ■ Email: gaubharatbharti@gmail.com RNI No. MAHMUL/2015/65928